अणुव्रत है युगीन समस्याओं का समाधान

– मुनि राकेश कुमार

नई दिल्ली, अणुव्रत प्रभारी मुनि राकेश कुमार अपने सहयोगी मुनि सुधाकर व मुनि दीप कुमार के साथ ग्रीन पार्क स्थित गोयल भवन व अन्य स्थलों पर कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य मोतीलील बोहरा, कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व मीडिया चेयरपर्सन राज्यसभा सांसद जनार्दन द्विवेदी, युवा सांसद नवीन जिंदल, कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव संजय बाफना ने दर्शन कर आंदोलन के संदर्भ में परिचर्चा की।

मुनि राकेश कुमार ने संसद सदस्यों को अणुव्रत की प्रेरणा देते हुए कहा–जन प्रतिनिधि समाज और राष्ट्र के आधार स्तम्भ होते हैं। उनके जीवन में चरित्र और अनुशासन की प्रतिष्ठा जरूरी है। जो अधिकार की अपेक्षा कर्तव्य को अधिक महत्त्व देता है तथा अर्थ और सत्ता को दिमाग पर हावी नहीं होने देता वही सच्चा प्रतिनिधि है।

अणुव्रत हमें जातिवाद और संप्रदायवाद की संकीर्णता से मुक्त रखकर नैतिक आदर्शों का सजग प्रहरी बनने की प्रेरणा देता है। अणुव्रत दर्शन में युगीन समस्याओं का कारगर समाधान है। अणुव्रत के संदेश का जन–जन में प्रचार व प्रसार जरूरी है। अणुव्रत जीवन की समस्याओं का समाधान देता है। मुनिश्री ने सभी सांसदों को आचार्य श्री महाश्रमणजी का विस्तार से परिचय देते हुए उनके सान्निध्य में चल रही गतिविधियों से परिचित कराया व उनके दर्शन व आशीर्वाद लेने की प्रेरणा दी।

मोतीलाल बोहरा ने कहा–मुनि राकेश कुमारजी से मेरा वर्षों का संपर्क रहा है। इन्होंने मुझे अणुव्रत आंदोलन से परिचित कराया। अणुव्रत जीवन निर्माण और राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है। आचार्य तुलसी की राष्ट्र को यह अनुपम देन है। राजनैतिक शूचिता के लिए नैतिक मूल्यों की प्रतिष्ठा जरूरी है। अर्थ की बढ़ती लालसा भी अनैतिकता का सबसे बड़ा कारण है।

जनार्दन द्विवेदी ने कहा– समस्याओं के समाधान के लिए स्वार्थों का विसर्जन जरूरी है। उन्होंने मुनिश्री से संस्कृत भाषा में भी संक्षिप्त संवाद किया व अणुव्रत के कार्य को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त करते हुए आचार्य श्री तुलसी व आचार्य महाप्रज्ञ के साहित्य पर चर्चा की।

युवा संवाद नवीन जिंदल ने कहा–राजनीतिक के शुद्धिकरण के लिए युवा वर्ग को आगे लाना आवश्यक है। उसी के साथ नैतिक और चरित्र निष्ठा का विकास जरूरी है। अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से जो यह प्रयास हो रहा है वह अवश्य जन–मानस में परिवर्तन लायेगा। मैं यथाशीघ्र आचार्य श्री महाश्रमणजी के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करूंगा।

कांग्रेस के राष्ट्र सचिव संजय बाफना ने कहा– आज जयपुर से रवाना हुआ तभी आपके दर्शन करने की भावना बनाके चला था। संतों का आशीर्वाद और मार्गदर्शन जीवन को मंगलमय और कल्याणकारी बनाता है। मेरी अणुव्रत के सिद्धान्तों के प्रति आस्था है। मैं आंदोलन को आगे बढ़ाने का प्रयास करूंगा।

इन विचार संगतियों में अणुविभा के अध्यक्ष तेजकरण सुराणा, शीतल बरड़िया, हीरालाल गेलड़ा, पवन बरड़िया आदि भी संभागी बनें। सभी सांसदों को अणुव्रत व आचार्य महाप्रज्ञजी का साहित्य भेंट किया गया।